Get More Visit : http://hindicomics.blogspot.com

चाचा चौधरी और
एक करोड़ का हीरा
Rakesh_Mahi

एक करोड़ का हीरा
चाचाजी! मेरा यह एक करोड़ रुपए की कीमत का हीरा अपने पास रख लीजिए.
दो ठग संसार के बहुत कीमती इस हीरे को मुझसे छीनना चाहते हैं.

Rakesh_Mahi

मैं अभी वह हीरा लेकर आया।
खबरदार !

वह उसे खोलता है।
आह !
खबरदार !
जब तुम अंदर आए तो वह ठग हीरा लेकर चम्पत हो गया।
लेकिन वह हीरा तो एक करोड़ का था !
© PRAN'S FEATURES NEW DELHI 26

Rakesh_Mahi

पगड़ी का कमाल
शहर की लायब्रेरी में हर रोज सैंकड़ों लोग किताबें पढ़ने आते हैं.
लायब्रेरी
बाहर
एक दिन लायब्रेरी की एक कर्मचारी डायरेक्टर के पास.
सर, कुछ दिनों से लायब्रेरी से किताबें चोरी हो रही हैं.
यह तो बड़ी गंभीर बात है. यह न सिर्फ सरकार का नुकसान है बल्कि उन लाखों लोगों का भी नुकसान है जो वे चोरी गई पुस्तकें पढ़ना चाहते हैं.
आखिर ये पुस्तकें चुराता कौन है?
क्या पता सर? दिनभर में यहां सैंकड़ों लोग आते हैं.
हम हर किसी की तलाशी तो नहीं ले सकते.

यह समस्या तो बड़ी पेचीदा हो गयी.
और जब कोई समस्या बड़ी पेचीदा हो जाती है तो उसे एक ही आदमी हल कर सकता है और वह है चाचा चौधरी.
मैं उसे लेने जा रही हूं.
चाचाजी, हमारी लायब्रेरी से किताबें चोरी हो रही हैं, चोर आपको पकड़ना है.
आओ देखें, वह कौन है जो जनता का नुकसान कर रहा है.
चाचाजी, आप यह क्या कर रहे हैं?
अब इसका कमाल देखना.
लायब्रेरी
बाहर

Rakesh_Mahi

ओह!
बाहर
भाई साहब, ज़रा सम्भल कर .
बाहर
ओह!
बाहर
इसको पुलिस के हवाले कर दो .

साबू की रजाई
नहीं, सर्दियाँ आ गई हैं. साबू के लिए रजाई बनानी है.
अच्छा, अब मैं चलूं .
लो भागवान, रुई आ गई. साबू के लिए रजाई बना दो.
मर गए! इतनी बड़ी रजाई बनाते बनाते तो मेरी कमर टूट जाएगी

Rakesh_Mahi

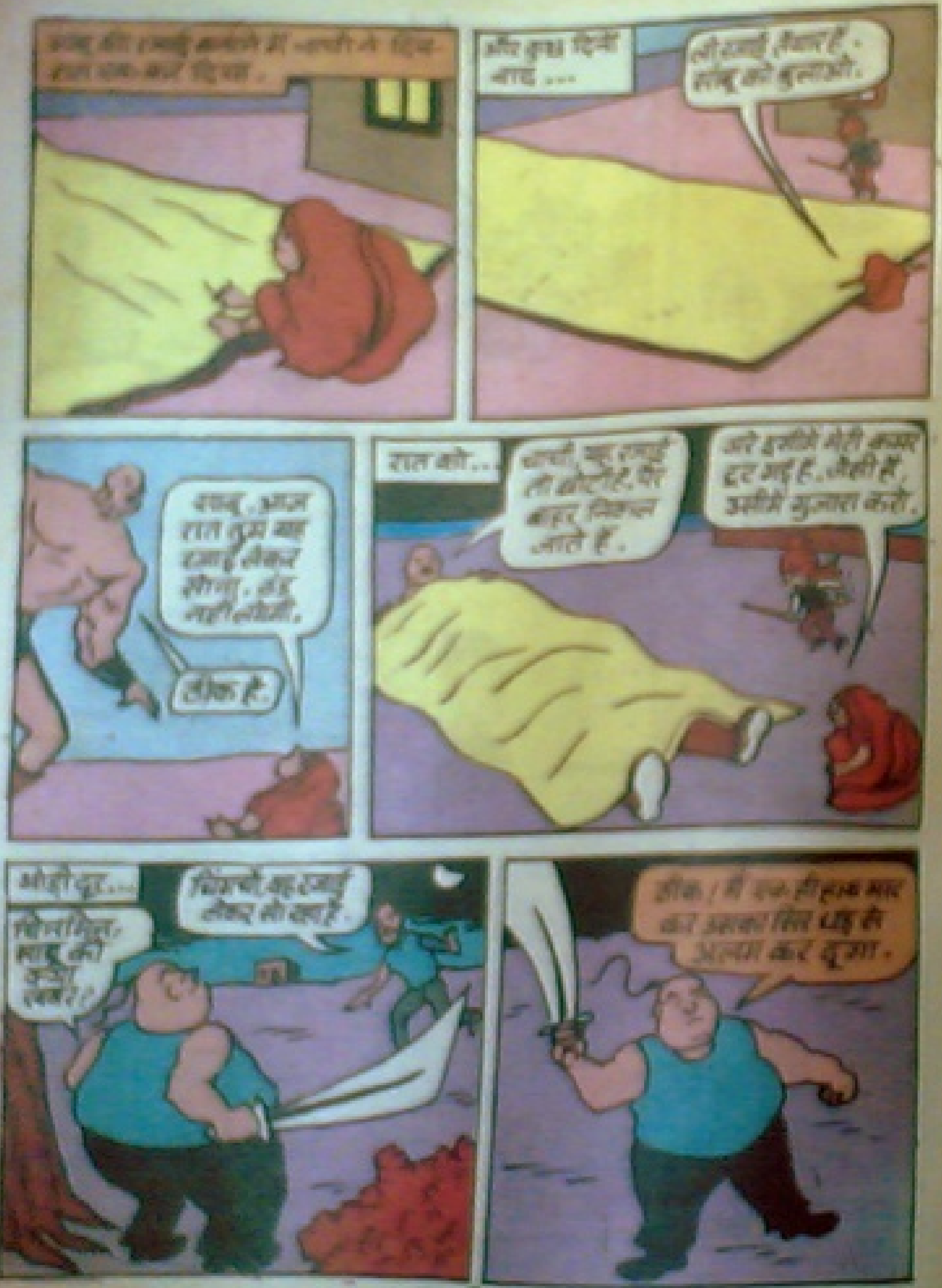
और कुछ दिनों बाद ...
लो रजाई तैयार है, साबू को बुलाओ।
रात को...
ठीक है।
ठीक! मैं एक ही हल्के वार कर उसका सिर धड़ से अलग कर दूंगा।

आओ!
ओह! यह क्या?
साबू!
तो फिर इस रजाई में कौन सो रहा है?
भागो!
© PRAN'S FEATURES NEW DELHI

Rakesh_Mahi

मूंछड़ दैत्य
सू-ह-ह-
सू-ह-ह-
लगता है वह बाहर गया है.

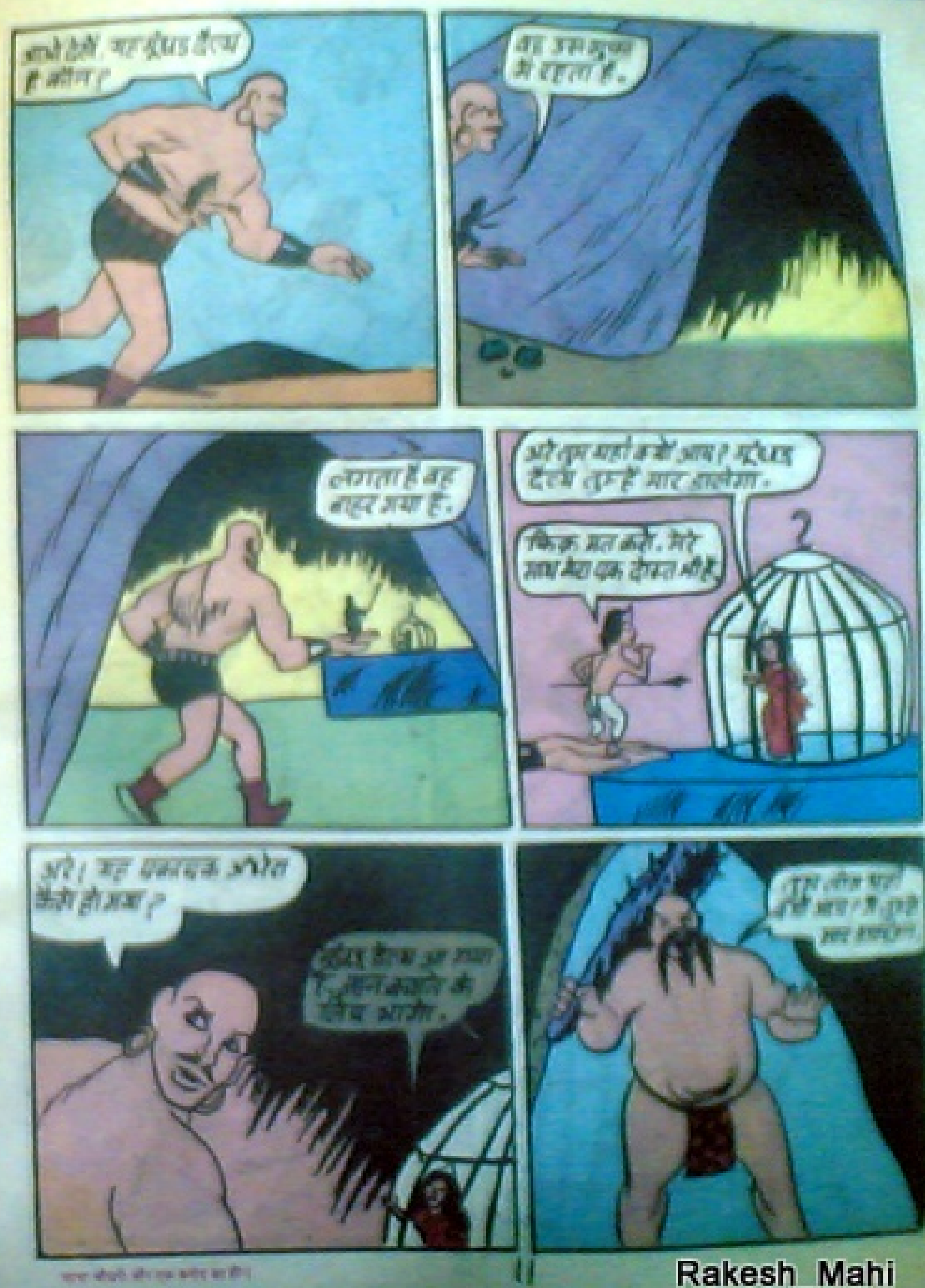
वह उस गुफा में रहता है.
लगता है वह बाहर गया है.
अरे तुम यहां क्यों आए? मूंछड़ दैत्य तुम्हें मार डालेगा.
फिक्र मत करो. मेरे साथ मेरा एक दोस्त भी है.

Rakesh_Mahi

ओह!
सचमुच तुम्हारा दोस्त साबू बड़ा बहादुर है।

गधे की सवारी
एक अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर उतरा।
यह रहा, जिसकी हमें तलाश थी।
अरे! मेरा गधा।
खबरदार! अगर आगे बढ़े तो तुम्हें ख़त्म कर देंगे।
अरे कल्लू! क्यों रो रहा है, भाई?
वे मेरा गधा लिए जा रहे हैं।
क्यों भाई, तुम इसका गधा क्यों ले जा रहे हो?

Rakesh_Mahi

तुम ठीक कहते हो,

ओह! मर गया!
तुम दोनों कुत्ते की मौत मरने के लिए तैयार हो जाओ!
नहीं, रहम करो. हमें मत मारो. हम तुम्हारे किसी हाथी को नहीं छुएंगे. हम अभी अपने ग्रह लौट जाते हैं।
PRAN'S FEATURES NEW DELHI

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

© PRAN'S FEATURES, NEW DELHI-28

सेल्समैन
अरी भागवान, एक कप चाय मिल जाए तो बड़ी मेहरबानी होगी,
चाय किससे बनाऊं? घर में चीनी ही नहीं है।
यह बात तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताई ?
तुम तो दुनियाभर के झगड़े फसादों को सुलझाने में लगे फिरते हो, घर की कोई सुध हो तो तुम्हें बताऊं।

Rakesh_Mahi

© PRAN'S FEATURES NEW DELHI-28

Rakesh_Mahi

तरबूजों का व्यापार
तरबूज तीन रुपए किलो!... तरबूज तीन रुपए किलो!...
ओ तरबूजीराम! इतने महँगे तरबूज?
मेरे तरबूज महँगे इसलिए हैं क्योंकि ये शहर में सबसे ज्यादा मीठे हैं.
अच्छा! लाओ जरा चख कर देखें.
ही-ही-! अगर मैं सबको यूँ ही तरबूज चखाने लग गया तो यहाँ मुफ्तखोरों की भीड़ लग जाएगी और सारे तरबूज चखाने-चखाने में ही खतम हो जाएँगे.
हाँ, एक तरकीब है. तरबूज मैं खाता हूँ और तुम्हें बता दूँगा कि यह मीठा है या फीका.

वाह! वाह! मिश्री है मिश्री!
मजा आ गया.
अरे तरबूजीराम! तुमने तरबूज खा कर छिलके सड़क पर फेंक दिये. अगर कोई फिसल कर गिर गया तो?
अरे, कोई गिरता है तो गिरने दो. अपना क्या जाता है?
इसके साथ माथापच्ची करना भैंस के सामने बीन बजाने के बराबर है.
तभी ऊपर से साबू आता दिखाई देता है.

Rakesh_Mahi

© PRAN'S FEATURES, NEW DELHI

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

PRAN'S FEATURES NEW DELHI

साबू एशियाड में

Rakesh_Mahi

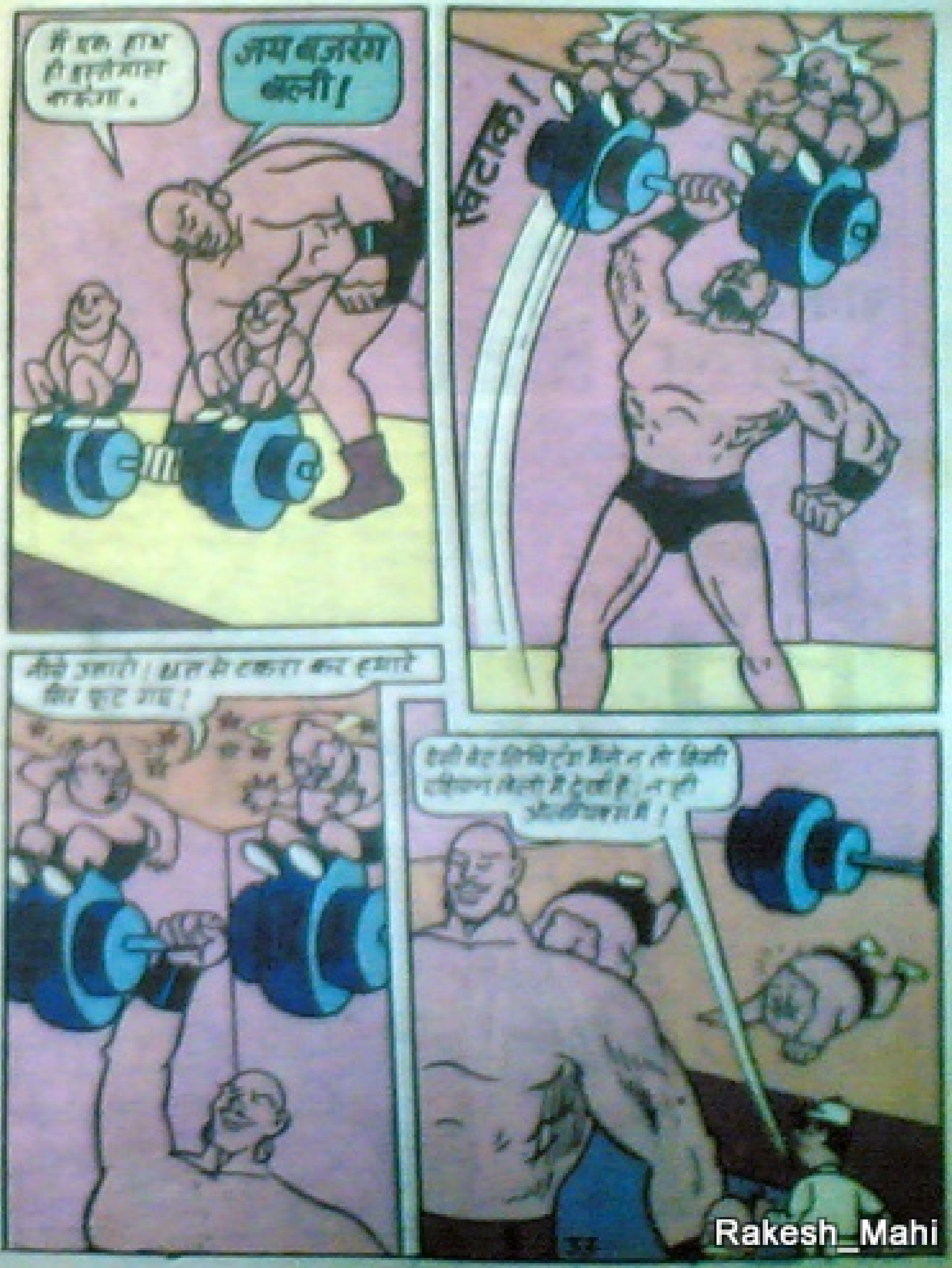

Rakesh_Mahi

राकेट का अपहरण
ट्रिन.. ट्रिन..
हैलो!
वाह, उस्ताद! बीस हजार की कमाई कितनी आसानी से हो गई!

चुप! देखो वह आ रहा है।
होशियार रहना, वह बहुत चालाक आदमी है।
नहीं, देखो, मैं अकेला आया हूं और मेरे पास कोई पिस्तौल भी नहीं।
ठीक है।
हा – हा – हा !!
बीस हजार लाए हो ?

Rakesh_Mahi

मैं पैसे अपने पास नहीं रखता।
तो किसके पास रखते हो ?
अपने सैक्रेटरी के पास।
कहाँ है तुम्हारा सैक्रेटरी ?
तुम्हारे पीछे !
बाप रे।
बुरे फंसे!!
साबू ! इन्हें पास के पुलिस स्टेशन तक छोड़ आओ।

चोरों को मोर
बैंक के अंदर
तभी।
सब लोग अपनी अपनी जगह पर खड़े रहो !
कैशियर
अच्छा, तो आप भी यहां मौजूद हैं !

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

सेर को सवा सेर
टोपन और लोटन – दो ठग ।
ना क्या ?
टोपन, तू आ गया न अंदर ?
मैं आ गया हूं ।
दोनों चलते हैं ।
अरे लोटन, उस घर में महिला अकेली है और पीछे की खिड़की भी खुली हुई है ।
?
गर्र...र्र...!
बचाओ ! बचाओ ! शेर ! शेर !
गर्र गर्र
और ये जेवर भी ।
वह महिला चाचा चौधरी के पास पहुंचती है ।
शेर ! यहां तो आसपास कोई जंगल नहीं जहां से शेर आ सके ।
जरूर दाल में कुछ काला है । आओ मेरे साथ ।
इधर ।
ठीक है ।
Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

कहाँ है वह ?
आओ मेरे साथ.
और दरवाजा खुलते ही हाथी बाहर की तरफ भागा.
साबू ! बचो !

आओ वापस अपने कटघरे में !
इससे पहले वह फिर से बाहर निकल आए, सांकल लगा देनी चाहिए .
बाप रे, भागो !
अच्छा ! ये तुम्हारी कारिस्तानी थी !
© PRAN'S FEATURES, NEW DELHI-28

Rakesh_Mahi